संगीत नाटक समाचार

संगीत नाटक अकादेमी

Sangeet Natak Akademi

अंक 15 ◆ फरवरी – मार्च 2008

अकादेमी के पदाधिकारी

अध्यक्ष
श्री राम निवास मिर्धा

उपाध्यक्ष
श्री कावालम नारायण पनिक्कर

वित्तीय सलाहकार
श्री आर.सी. मिश्रा

सचिव
श्री जयंत कस्तुआर

इस अंक में

भारत की राष्ट्रपति द्वारा दिल्ली में अकादेमी रत्न एवं पुरस्कार 2007 अलंकरण 1

संगीत संगम, इन्दौर 3

आक्टेव 2008, तिरुवनन्तपुरम 4

नृत्य प्रतिभा, पटना 4

रंग प्रतिभा, जम्मू 4

'नृत्य कृति' अहमदाबाद 5

रंग संगम नाट्योत्सव, मुम्बई 5

प्रलेखन 5

स्मृति में 6

भारत की राष्ट्रपति द्वारा दिल्ली में अकादेमी रत्न एवं पुरस्कार 2007 अलंकरण

भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने 26 फरवरी 2008 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रदर्शनकारी कलाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए चौंतीस कलाकारों को अकादेमी रत्न एवं अकादेमी पुरस्कार 2007 से अलंकृत किया। समारोह का शुभारम्भ श्री रामनिवास मिर्धा, अध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी के स्वागत भाषण से हुआ। तत्पश्चात् केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी, ने आमंत्रित अतिथियों को संबोधित किया। पुरस्कार अलंकरण के पश्चात श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने उपस्थित कलाकारों को सम्बोधित किया। अकादेमी उपाध्यक्ष श्री कावालम नारायण पनिक्कर के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

अकादेमी रत्न सदस्यता एवं अकादेमी पुरस्कार, संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्र में प्रख्यात कलाकारों, गुरूओं एवं विद्वानों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किये जाते हैं। अकादेमी रत्न सदस्यता के अन्तर्गत एक लाख रू० नकद तथा अकादेमी पुरस्कार के लिए पचास हजार रू० नकद, ताम्रपत्र एवं शाल भेंट किये जाते है।

अलंकरण समारोह के पश्चात आठ दिवसीय उत्सव में पुरस्कृत कलाकारों ने दिल्ली के विभिन्न सभागारों में आयोजित कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुतियां पेश की।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, प्रख्यात विद्वान एवं सौन्दर्यशास्त्र के आचार्य डॉ० एस. के. सक्सेना को अकादेमी रत्न सदस्यता से अलंकृत करती हुईं। उनके दायीं ओर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्रीमती अंबिका सोनी एवं बायीं ओर अकादेमी अध्यक्ष श्री रामनिवास मिर्धा।

संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार 2007 प्राप्त करने वालों के नाम इस प्रकार हैं –

अकादेमी रत्न

डॉ० सुशील कुमार सक्सेना

अकादेमी पुरस्कार

संगीत

विद्याधर नारायण राव व्यास : हिन्दुस्तानी गायन
गोवर्धन मिश्र : हिन्दुस्तानी गायन
नन्दन मेहता : हिन्दुस्तानी वाद्य (तबला)
रामू प्रसाद शास्त्री : हिन्दुस्तानी वाद्य (वायलिन)
बी. कृष्णामूर्ति : कर्नाटक गायन
विद्याशंकर : कर्नाटक वाद्य (वीणा)
एस. आर. डी. वैद्यनाथन् : कर्नाटक वाद्य (नागास्वरम्)
खैयाम (मोहम्मद जहूर हाशमी) : सृजनात्मक एवं प्रयोगात्मक संगीत

नृत्य

सुचेता भिडे चापेकर : भरतनाट्यम
गीतांजलि लाल : कथक
सदनम् कृष्णन कुट्टी : कथकलि
येलेस्वरपू नागेश्वर शर्मा : कूचिपूड़ि
रंजना गौहर : ओडिसी
गुणाकांत दत्ता बोरबयान : सत्रिय
दीप्ती ओमचेरी भल्ला : मोहिनीआट्टम
कलामंडलम सिवन नम्बूतिरी : नृत्य की अन्य प्रमुख परंपराएं
रंग नाट्य : कूटिआट्टम

रंगमंच

रेवती सरन शर्मा : नाट्य लेखन, हिन्दी
ललथंगफला सायलो : नाट्य लेखन, मिजो
युमनाम राजेन्द्र सिंह : नाट्य लेखन, मणिपुरी

एन. सी. ठाकुर : निर्देशन
हरिमाधव मुखोपाध्याय : निर्देशन
रमेश मेहता : अभिनय
महेन्द्र कुमार : संबद्ध नाट्य कलाएं
कोल्यूर रामचन्द्र रॉव : रंगमंच की मुख्य परंपराएं– यक्षगान

पारंपरिक / लोक / जनजातीय संगीत, नृत्य, रंगमंच एवं पुतुलकला

थोकचम निनगोल बृन्दाशाबी देवी : गौरांग लीला, मणिपुर
प्रहलाद सिंह तिपाणिया : लोक संगीत, निर्गुण (मध्य प्रदेश)
राम दयाल मुंडा : जनजातीय नृत्य एवं संगीत, झारखंड
गुलाम मोहम्मद : डोगरी लोक संगीत, जम्मू–कश्मीर
सुबोध देवबर्मा : जनजातीय नृत्य, त्रिपुरा
अमर पाल : लोक संगीत, पश्चिम बंगाल
एल. राजप्पा : पुतुल कला, पांडिचेरी
शराफत अब्दुल माजिद सतारमेकर : सांगीतिक वाद्य निर्माण, महाराष्ट्र

समग्र योगदान

मुकुंद लाठ : प्रदर्शनकारी कलाओं में विद्वता

ऊपर : भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल अकादेमी सम्मानित कलाकारों के साथ। मध्य में बायें से दायें : रामू प्रसाद शास्त्री : (हिन्दुस्तानी वाद्य – वायलिन); सुचेता भिडे चापेकर : (भरतनाट्यम); थोकचम निङोल बृन्दाशाबी देवी (गौरांग लीला, मणिपुर); नीचे : सदनम कृष्णन कुट्टी : (कथकलि)।

संगीत संगम, इन्दौर

संगीत नाटक अकादेमी द्वारा 14 से 18 फरवरी, 2008 तक 'संगीत संगम' उत्सव का आयोजन इन्दौर में किया गया। इस उत्सव में हिन्दुस्तानी संगीत के प्रख्यात गायकों एवं वाद्यकारों ने अपनी प्रस्तुतियां पेश की। इसके साथ–साथ दक्षिण भारतीय वाद्य संगीत–ताल वाद्य कचहरी एवं सरस्वती वीणा पर कर्नाटक गायन भी प्रस्तुत किया गया। उत्सव में वरिष्ठ संगीतकारों ने क्षेत्रीय सांगीतिक परंपराओं तथा उत्तर प्रदेश के हवेली संगीत गायन, महाराष्ट्र के नाट्य संगीत एवं राजस्थान के मांड की प्रस्तुतियां पेश की। उत्सव का आयोजन लोक संस्कृति मंच, इन्दौर के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम विवरण

14 फरवरी
दया शंकर, दिल्ली – शहनाई
रमाकांत पाठक एवं समूह, लखनऊ – पखावज
राजशेखर मंसूर, बैंगलोर – हिन्दुस्तानी गायन

15 फरवरी
चारुमती रामचन्द्रन, चेन्नई – कर्नाटक गायन
कार्तिक कुमार, मुंबई – सितार
वसुंधरा कोमकली, देवास – हिन्दुस्तानी गायन

16 फरवरी
ऋतिक सान्याल, वाराणसी एवं असित कुमार बनर्जी, कोलकाता – हिन्दुस्तानी गायन (ध्रुपद) एवं रुद्र वीणा
गोपाल चन्द्र नन्दी, लखनऊ – हिन्दुस्तानी वायलिन
मुराद बानो, छपरा – (ठुमरी, दादरा आदि)

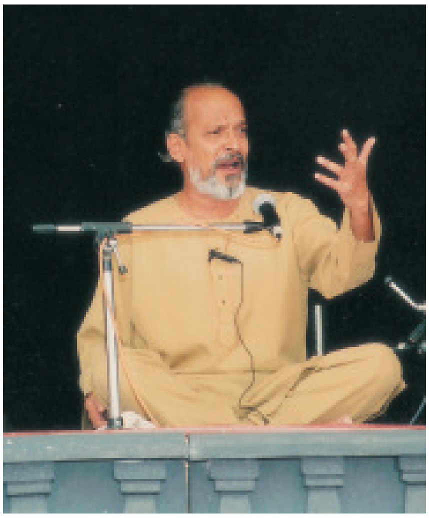

ऊपर : *कार्तिक कुमार (सितार),* बीच में बायें : *राजशेखर मंसूर (हिन्दुस्तानी गायन),* बीच में दायें : *निरंजन हलधर (विचित्र वीणा),* नीचे : *प्रेमा मल्लिकार्जुन (हंसवाहिनी, कर्नाटक वीणा वृन्द)।*

संगीत नाटक अकादेमी सम्मान उत्सव
26 फरवरी – 4 मार्च, 2008

26 फरवरी, सायं 6.00 बजे
कमानी सभागार, कॉपरनिक्स मार्ग
विद्याधर व्यास : हिन्दुस्तानी गायन
नन्दन मेहता : तबला वादन
रामू प्रसाद शास्त्री : वायलिन
गोवर्धन मिश्र : हिन्दुस्तानी गायन

27 फरवरी, सायं 6.30 बजे
कमानी सभागार, कॉपरनिक्स मार्ग
बी. कृष्णमूर्ति : कर्नाटक गायन
विद्या शंकर : वीणा (कर्नाटक)
सुचेता भिडे चापेकर : भरतनाट्यम्

28 फरवरी, सायं 6.30 बजे
मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, कॉपरनिक्स मार्ग
दीप्ति ओमचेरी भल्ला : मोहिनीआट्टम्
गीतांजलि लाल : कथक
रंजना गौहर : ओडिसी

29 फरवरी, सायं 6.30 बजे
मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, कॉपरनिक्स मार्ग
कलामण्डल शिवन नम्बूतिरि : कूटियाट्टम्
सदनम कृष्णन् कुट्टी : कथकलि

1 मार्च, सायं 6.30 बजे
मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, कॉपरनिक्स मार्ग
गुणाकांत दत्ता बोरबयान : सत्रिय
कोल्यूर रामचंद्र राव : यक्षगान

2 मार्च, सायं 6.30 बजे
मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, कॉपरनिक्स मार्ग
राम दयाल मुण्डा : जनजातीय नृत्य एवं संगीत (झारखण्ड)
अमर पाल : लोक संगीत (पश्चिम बंगाल)
प्रहलाद सिंह टिपाणिया : लोक संगीत – निर्गुण (मध्य प्रदेश)
गुलाम मोहम्मद : डोगरी लोक संगीत (जम्मू एवं कश्मीर)

3 मार्च, सायं 6.30 बजे
मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, कॉपरनिक्स मार्ग
थोकचोम निङोल बृन्दाशाबी देवी : गौरांग लीला (मणिपुर)
युमनाम राजेन्द्र सिंह : मणिपुरी नाटक *हंगलाई*

4 मार्च, सायं 6.30 बजे
मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, कॉपरनिक्स मार्ग
हिन्दी नाटक, *पुरानी हवेली,* लेखकः रेवती शरण शर्मा

ऊपर : *मुराद बानो – ठुमरी, दादरा*
नीचे : *बृज नारायण (सरोद)।*

17 फरवरी
हंसवाहिनी, दिल्ली – कर्नाटक वीणा वृन्द
लीलावती अडसुले, इन्दौर – हिन्दुस्तानी गायन
बृज नारायण, मुंबई – सरोद
छन्नूलाल मिश्रा, वाराणसी – हिन्दुस्तानी गायन (ठुमरी, दादरा, आदि)

18 फरवरी
निरंजन हलधर, इन्दौर – विचित्र वीणा
लयशक्ति, दिल्ली – तालवाद्य कचेहरी
मणि प्रसाद, दिल्ली – हिन्दुस्तानी गायन

आक्टेव 2008, तिरुवनन्तपुरम

''सेलिब्रेटिंग द नार्थ ईस्ट उत्सव'' का आरंभ वर्ष 2006 में संस्कृति मंत्रालय द्वारा संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से दिल्ली में किया गया। वर्ष 2007 में इसका आयोजन हैदराबाद तथा वर्ष 2008 में इसका आयोजन तिरूवनन्तपुरम में किया गया। संगीत नाटक अकादेमी द्वारा इस पूर्वोत्तर नाट्योत्सव का आयोजन 17 – 21 फरवरी, 2008 तक टैगोर थियेटर में किया गया। अकादेमी ने उत्सव में पूर्वोत्तर के शास्त्रीय नृत्यों यथा मणिपुरी नृत्य एवं सत्रिय नृत्य की प्रस्तुति को भी प्रायोजित किया। नृत्यकारों ने तत्पश्चात् केरल के चेरुथुरथी एवं कोच्चि में भी अपनी प्रस्तुतियां पेश की। अकादेमी ने उत्सव के सम्पूर्ण आयोजन के लिए अकादेमी द्वारा दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र को अपेक्षित परामर्श एवं सहयोग भी दिया।

नृत्य प्रतिभा, पटना

बिहार संगीत नाटक अकादेमी एवं निनाद के सहयोग से युवा नर्तकों के उत्सव 'नृत्य प्रतिभा' का आयोजन 9 – 13 मार्च, 2008 तक श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल, गाँधी मैदान, पटना में किया गया। उत्सव का उद्घाटन श्री जनार्दन सिंह सिगरीवाल, बिहार के सांस्कृतिक एवं युवा कार्य मंत्री द्वारा 9 मार्च, 2008 को किया गया।

कार्यक्रम विवरण

9 मार्च
देबाश्री पटनायक एवं पंकज कुमार प्रधान, भुवनेश्वर – ओडिसी; रश्मि उप्पल, दिल्ली – कथक; सुतापा एवन प्रधान, मेदिनीपुर – भरतनाट्यम; शुभ्रा पात्रा एवं प्रोतिम दास, कोलकाता – कथक; मणिपुरी नर्तनालय, कोलकाता एवं इम्फाल – पुंग चोलम

10 मार्च
शर्वणी दास, पटना – ओडिसी; रितुश्री चौधरी एवं सुमन साहा, कोलकाता – सृजनात्मक एवं प्रयोगात्मक नृत्य; बॉबी चक्रवर्ती, खिलपाड़ा – कूचिपूड़ि; नम्रता एवं सुचित्रा मिश्रा, बोकारो – कथक; मणिपुर नर्तनालय, कोलकाता एवं इम्फाल – रासलीला

11 मार्च
भोगपुर सत्रा, माजुली – सत्रिय नृत्य; सेउजप्रिया बोरठाकुर, गुवाहाटी – कथक; सोहनी देवनाथ, कोलकाता – ओडिसी; स्मिता पाणि एवं प्रवीण मोहन्ती, राउरकेला – ओडिसी; कलामंडलम वैशाख, त्रिसूर – कथकलि

12 मार्च
राजीव रंजन, पटना – कथक; कलामंडलम वीणा वारियर, चेरुतुर्थी – मोहिनीआट्टम; टी. एम. श्रीदेवी, चेन्नई – भरतनाट्यम; सौरव रॉय, सिलीगुड़ी – कथक; आर्टिस्ट ऑफ मयूर आर्ट सेन्टर, भुवनेश्वर – छउ (मयूरभंज)

13 मार्च
सुदीपा बोस, पटना – भरतनाट्यम; त्रिनेत्र छऊ डाँस सेन्टर, सरायकेला – छऊ; स्वाती सिन्हा, बिहार – कथक; मणिपुरी नर्तनालय कोलकाता एवं इम्फाल – ढोल चोलम

रंग प्रतिभा, जम्मू

संगीत नाटक अकादेमी द्वारा युवा नाट्य निर्देशकों को प्रोत्साहन देने की अपनी योजना के अन्तर्गत युवा निर्देशकों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न राज्यों में उत्सवों का आयोजन किया जाता है। 'रंग प्रतिभा' उत्सव का आयोजन जम्मू एवं कश्मीर की कला संस्कृति एवं भाषाओं की अकादेमी, के सहयोग से 9 – 16 मार्च 2008 तक जम्मू में किया गया।

उत्सव में, कला, संस्कृति एवं भाषाओं की अकादमी जम्मू एवं कश्मीर अकादमी द्वारा बनायी गयी एक विशेषज्ञ समिति द्वारा चयनित जम्मू–कश्मीर के सात युवा निर्देशकों के नाटकों की प्रस्तुति की गयी।

मंचीय प्रदर्शनों के अतिरिक्त प्रातःकालीन सत्र में प्रतिभागी निर्देशकों एवं स्थानीय व बाहर से आये विशेषज्ञों एवं नाट्य निरीक्षकों में पारस्परिक विचार–विनिमय किया जाता था। बैंगलोर से श्रीमती बी. जयश्री एवं गुवाहाटी से श्री दुलाल रॉय को आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम विवरण

9 मार्च
कॉमेडी ऑफ टेरर – निर्देशक : संजीव गुप्ता

10 मार्च
त्रिनोय – निर्देशक : मुज्जामिल हयात

11 मार्च
ज़माने पाक ने हम दम सयेदे – निर्देशक : आशिक हुसैन

12 मार्च

यात्रा – निर्देशक : वर्षा डोगरा

13 मार्च

दिल ते दीवार – निर्देशक : रियाज अहमद

14 मार्च

शिनाख्ती कार्ड – निर्देशक : एम. अशरफ नागो

15 मार्च

माइंड गेम्स – निर्देशक : सुमित शर्मा

नृत्य कृति, अहमदाबाद

नृत्य संरचनाओं के उत्सव 'नृत्य कृति' का आयोजन 24 – 26 मार्च, 2008 को अहमदाबाद में आयोजित किया गया। उत्सव का उद्घाटन श्रीमती कुमुदनी लाखिया एवं श्री वरूण मैरा, प्रधान सचिव (संस्कृति), गुजरात सरकार, द्वारा टैगोर हॉल, अहमदाबाद में किया गया।

अपनी तरह के इस पहले 'नृत्य कृति' उत्सव को पहली बार अहमदाबाद में प्रस्तुत किया गया। द्वितीय पीढ़ी के नृत्य संरचनाकार यथा प्रीति पटेल, मधु नटराज, संगीता शर्मा, झेलम परांजपे एवं लोकेन्द्रजीत सिंह की संरचनाएं इस उत्सव में पेश की गयीं। नृत्य भारती, पुणे के कलाकारों ने प्रख्यात कोरियोग्राफर रोहिणी भाटे की नृत्य संरचनाओं की प्रस्तुति की।

ऊपर : मंडला एवं युग्मा, मधु नटराज की नृत्य संरचना, नीचे : नहाल नांग..... वन्स अपॉन ए टाइम, प्रीति पटेल की नृत्य संरचना

कार्यक्रम विवरण

24 मार्च

नहाल नॉग . . . वन्स अपॉन ए टाइम – अंजिका, कोलकाता एवं इंफाल, नृत्य संरचना – प्रीति पटेल

मंडला एवं युग्मा – स्टेम, बैंगलौर, नृत्य संरचना : मधु नटराज

25 मार्च

कथक ओडिसी – नृत्य भारती, पुणे, नृत्य संरचना – रोहिणी भाटे

बहती गंगा – संगीता शर्मा एवं भूमिका, दिल्ली के सदस्य, नृत्य संरचना : संगीता शर्मा

26 मार्च

लीलावती – स्मितालय, मुंबई, नृत्य संरचना : झेलम परांजपे

वेनू परेंग – जवाहर लाल नेहरु मणिपुर डाँस एकेडमी, मणिपुर, नृत्य संरचना – लोकेन्द्रजीत सिंह

रंग संगम नाट्योत्सव, मुम्बई

समकालीन नाट्य उत्सव 'रंग संगम' में प्रख्यात निर्देशकों द्वारा देश के विभिन्न भागों में नृत्य के क्षेत्र में निरन्तर विकसित हो रहे विविध भाषाओं के सृजनात्मक विचारों, तरीकों एवं तकनीकों की प्रस्तुतियां पेश की जाती हैं। प्रतिभागी निर्देशक विविध शैलियों को प्रदर्शित करने के साथ–साथ आज की पीढ़ी द्वारा सृजित महत्वपूर्ण रंगमंचीय विचारों को भी यथा संभव प्रतिबिंबित करते हैं।

अपनी तरह के इस दूसरे 'रंग संगम नाट्योत्सव' का आयोजन अकादमी ऑफ थियेटर आर्ट्स, मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से 23 – 31 मार्च, 2008 तक मुंबई में हुआ।

कार्यक्रम विवरण

23 मार्च

तमाशा – महाराष्ट्र की पारंपरिक रंगमंच शैली

24 मार्च

कनुप्रिया (हिन्दी) – निर्देशक : अर्जुन देव चरण, जोधपुर

25 मार्च

बगदाद बर्निंग (हिन्दी) – निर्देशक : कीर्ति जैन, दिल्ली

26 मार्च

जाता नहीं जात (मराठी) – निर्देशक : गिरीश अरविन्द पातके, मुंबई

माटी (उड़िया) – निर्देशक : सुबोध पटनायक, भुवनेश्वर

27 मार्च

खेल (मराठी) – निर्देशक : मिलिन्द इनामदार, मुंबई

28 मार्च

सोजन बादयार (बांग्ला) – निर्देशक : गौतम हलधर, कोलकाता

29 मार्च

महामायी (कन्नड़) – निर्देशक : सी. बासवलिंगा, बैंगलौर

हरिश्चन्नर की लड़ाई (हिन्दी) – निर्देशक : उर्मिल कुमार थपलियाल, लखनऊ

30 मार्च

केम मंकाजी क्या चालया (गुजराती) – निर्देशकः पी. सी. चारी, बड़ोदरा

रत्तदी रत्त (डोगरी) – निर्देशक : मुश्ताक काक, जम्मू

31 मार्च

जलवा (मराठी) – निर्देशक : वामन केन्द्र, मुंबई

प्रलेखन

विशेष प्रलेखन, दिल्ली

11-13 फरवरी, 2008

रंजना गौहर (ओडिसी); जयराम रॉव एवं वैष्णवी रॉव (कूचिपूड़ि)। *वीडियो 2:10 घंटे। फोटो 100।*

24-25 फरवरी, 2008

शशधर आचार्य एवं शिष्यगण – सरायकेला छऊ की प्राविधियों एवं अध्यापन तकनीकी का प्रदर्शन। *वीडियो 3:25 घंटे। फोटो 100।*

संगीत संगम, संगीतोत्सव, इंदौर

15-18 फरवरी, 2008

वीडियो 17:50 घंटे। फोटो 200।

संगीत नाटक अकादेमी सम्मान समारोह एवं उत्सव, 2007, नई दिल्ली

26 फरवरी से 4 मार्च, 2008

वीडियो 15:40 घंटे। ऑडियो 56:40 घंटे। फोटो 800।

नृत्य प्रतिभा, युवा नर्तकों का उत्सव, पटना, बिहार, 9-13 मार्च, 2008

वीडियो 14:40 घंटे। फोटो 200।

स्मृति में

संगीत नाटक अकादेमी एवं इससे सम्बद्ध निकाय अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती शीला भाटिया एवं श्री के. टी. मुहम्मद के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं।

शीला भाटिया

श्रीमती शीला भाटिया 35 वर्षों तक रंगमंच की सक्रिय गतिविधियों से जुड़ी रही। वे नाट्य लेखिका, कंपोज़र एवं निर्देशिका रही। इसके अतिरिक्त 60 से ज्यादा प्रस्तुतियां भी उनके खाते में जाती हैं। वे अपने तीन हिन्दी, पंजाबी, उर्दू के अभिनव एवं प्रयोगिक सांगीतिक नाट्यों के लिए जानी जाती हैं। साठ के दशक में मंच पर अभिनीत अपने प्रथम सांगीतिक नाट्य 'कॉल आफ द वैली' से वे निरन्तर नई एवं सार्थक शैलियों के लिए प्रयासरत रही।

श्रीमती भाटिया ने अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त किये। भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 1970 में पद्मश्री से अलंकृत किया।

रंगमंच के क्षेत्र में विशिष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रीमती शीला भाटिया को निर्देशन के लिए वर्ष 1982 में संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्रीमती शीला भाटिया का 17 फरवरी 2008 को निधन हो गया।

के. टी. मुहम्मद

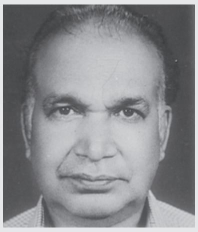

वर्ष 1929 में केरल के मलप्पुरम जिले में जन्मे श्री के. टी. मुहम्मद अपनी लघु कथा 'द आइज़', जिसने पचास के दशक में न्यूयार्क हेराल्ड ट्रिब्यून द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, के प्रकाशन के साथ ही जनमानस की नजरों में आये।

श्री के. टी. मुहम्मद के खाते में पचीस से भी अधिक नाटक जाते हैं, जो मलयालम नाट्य जगत के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान को दर्शाते हैं। रूप एवं संरचना के दृष्टिकोण से उनका नाट्य लेखन विविधता युक्त कथावस्तु एवं न्यायिक प्रयोगात्मक रहा। श्री मुहम्मद के प्रमुख सफल नाटकों में 1970 में मंचित 'सृष्टि' है जिस पर आगे चलकर उन्होने फिल्म भी बनाई। अनेक फिल्म एवं नाट्य पुरस्कारों से सम्मानित, श्री मुहम्मद केरल राज्य फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष रहे। केरल संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्य होने के अतिरिक्त वह कई वर्षों तक केरल साहित्य अकादमी से भी जुड़े रहे।

रंगमंच के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए श्री के. टी. मुहम्मद को नाट्य लेखन के लिए वर्ष 1986 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

श्री के. टी. मुहम्मद का 26 मार्च 2008 को निधन हो गया।

निजी परिचालन हेतु। *प्रकाशक, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली – 110 001, फोन : 23387246/7/8.*
फैक्स : 23381621, ई–मेल : sangeetnatak@bol.net.in, डिजाइन व प्रोडक्शनः stetdelhi@gmail.com